

क्षेत्रीय कृषि मेला 2022

कृषि अपशिष्ट के मुद्दीकरण द्वारा उद्यमिता विकास

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

12 13 14

मार्च, 2022



आयोजक

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

समस्तीपुर-848 125 (बिहार)

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

क्षेत्रीय कृषि मेला - 2022

12-14 मार्च-2022

29 अगस्त 2021 की सुबह डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के लिए एक स्वर्णिम दिवस था जब भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आकाशवाणी से "मन की बात" कार्यक्रम में राष्ट्र को संबोधित करते हुए डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा विकसित और कार्यान्वित "सुखेत मॉडल" की सराहना की। बिहार के मधुवनी जिले के एक गाँव में अवस्थित "सुखेत मॉडल" एक आत्मनिर्भर मॉडल है जिससे ग्रामीण बिहार में बड़ा परिवर्तन आया है, जिसने ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। विश्वविद्यालय ने बिहार और झारखंड राज्य में स्थित विभिन्न मंदिरों जैसे देवघर में बाबा बैद्यनाथ, मुजफ्फरपुर में बाबा गरीबनाथ और अरेराज के बाबा सोमेश्वरनाथ में चढ़ाए गए फूलों और बेलपत्रों को वर्मीकम्पोस्ट में परिवर्तित कर उसके विपणन करने का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है।

वर्ष 2014 में पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत के साथ, एकत्रित कचरे के प्रबंधन की भारी समस्या सामने आई। डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने भारतीय कृषि अनुसंधान प्रणाली का एक अभिन्न अंग होने के कारण कृषि पद्धतियों के दौरान उत्पन्न कचरे के प्रबंधन के महत्व को महसूस किया और विश्वविद्यालय ने इस दिशा में अनुसंधान को आगे बढ़ाया। साथ ही लक्षित प्रौद्योगिकियों को विकसित करके विश्वविद्यालय ने उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया है, जो कृषि अपशिष्ट को न्यूनतम आदान के साथ आय का साधन बन रहे हैं, और इसी तकनीक के अनुसंधान एवं प्रसार हेतु "अपशिष्ट प्रबंधन पर उच्च अध्ययन केन्द्र" की स्थापना की गई है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि-अपशिष्ट प्रबंधन पर विकसित प्रौद्योगिकियाँ हैं जैसे:-

- ✓ ग्रामीण एवं कृषि अपशिष्ट को वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन हेतु "सुखेत मॉडल"।
- ✓ केले के रेशे से विभिन्न सजावटी एवं अन्य उत्पाद बनाने की तकनीक।
- ✓ मक्का के गोले से डिस्पोजल प्लेट्स।
- ✓ अरहर के डंठल से पर्यावरण अनुकूल टेबल स्टैण्ड, कटलरी सेट, कैलेंडर स्टैण्ड आदि बनाने की तकनीक।
- ✓ लीची के बीज से मछलियों का आहार।
- ✓ हल्दी के फसल अवशेषों से आवश्यक तेल निकालने की तकनीक।

डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि अपशिष्ट के मुद्दीकरण पर विश्वविद्यालय द्वारा उत्पन्न प्रौद्योगिकियों को स्थानांतरित कर रहे हैं, जो ग्रामीण युवाओं के साथ-साथ कृषि उद्यमियों को रोजगार के अवसर और आजीविका सुरक्षा के लिए एक नया आयाम दे रहा है। यह किसान मेला फसल अपशिष्ट को उच्च मूल्य के उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेगा। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा उच्च मूल्य वाले कृषि ब्यवसाय को बढ़ावा देने और समावेशी मूल्य श्रृंखला विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए उत्पादन लक्ष्य से आय वृद्धि के लिए कृषि के पुनः अभिविचार के लिए काम कर रहा है। विश्वविद्यालय अनुसंधान और प्रसार के द्वारा ग्रामीण युवाओं की उद्यमशीलता क्षमता बढ़ाने के लिए कृषि, जलीय कृषि, कृषि वानिकी में उद्यम विकास के लिए फसल विविधकरण के साथ-साथ मूल्य संवर्धन प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है। सभी कृषि उत्पादन में निहित मूल्य है और उत्पादन के प्रत्येक इकाई को मूल्य उत्पन्न करने के अवसर के रूप में देखने तथा खेतों से कचरे की धारणा को समाप्त करने की आवश्यकता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा द्वारा 12 से 14 मार्च, 2022 तक "कृषि अपशिष्ट के मुद्दीकरण द्वारा उद्यमिता विकास" विषय पर एक भव्य किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है और हम पूर्ण विश्वास के साथ आशा करते हैं कि आप इस क्षेत्रीय कृषि मेला में भाग लेंगे, और लाभान्वित होंगे। हम आपको एक बार फिर हमारे किसान मेले में आने के लिए आमंत्रित करते हैं, और आप हमें आपकी बेहतर सेवा करने का अवसर प्रदान करेंगे।

मेले के लक्ष्य एवं उद्देश्य:-

- ✓ उत्पन्न कृषि अपशिष्ट को मानव, कृषि भूमि उपयोग एवं पशुओं के लिए उत्पाद में परिवर्तित करना।
- ✓ राजकोषीय गतिविधि को बढ़ाने के लिए अपेक्षाकृत नए क्षेत्र में आजीविका सृजन के अवसर प्रदान करना।
- ✓ कृषि अपशिष्ट को आर्थिक उपयोग में लाना जिससे पर्यावरण पर दबाव कम हो।
- ✓ ब्यवसायिक उद्यम सृजित करने के लिए विभिन्न हितधारकों को आकर्षित करना।
- ✓ योजनागत आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए गाँवों को समृद्ध बनाना।
- ✓ समाजिक परिवर्तन के लिए संबद्ध कृषि गतिविधियों जैसे मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, वर्मीकम्पोस्टिंग आदि को बढ़ावा देना।
- ✓ ग्रामीणों के तकनीकी कौशल का पता लगाना और उनका पोषण करना ताकि उच्च स्तर के कौशल और कलात्मक प्रतिभा के साथ मानव शक्ति की कोई कमी न हो।
- ✓ खेती की लागत कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए कृषि प्रौद्योगिकी और कृषि मशीनरी की प्रदर्शनी।
- ✓ सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के साथ कृषि आधारित लघु एवं मध्यम उद्यमियों के सहयोग से नए क्षितिज को तलाशना।
- ✓ संगोष्ठी/किसान गोष्ठी के माध्यम से नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकियों पर किसानों और वैज्ञानिकों के बीच बातचीत और ज्ञान साझा करना।
- ✓ खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए छोटे जोत वाले किसानों को मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण पर प्रदर्शनी।
- ✓ प्रति बूँद अधिक फसल के लिए जल संरक्षण तकनीक और भूजल पुनर्भरण के लिए जल संचयन संरचना का प्रदर्शन।
- ✓ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, सौर ऊर्जा वृक्षों, सौर पंपों और नाव पर लगे सौर सिंचाई प्रणाली की प्रदर्शनी।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

कृषि शिक्षा की जन्मस्थली में अवस्थित स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय ने स्थापना काल से ही कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा (बिहार) अपने विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों, अनुसंधान एवं शिक्षा संस्थानों के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा कृषि के विकास एवं प्रसार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वहन में सदैव तत्पर है।

आमंत्रण

कृषि एवं कृषि के विभिन्न आयामों से सम्बद्ध व्यक्तियों, संस्थानों, कृषक संगठनों, उत्पादकों एवं विपणन संघों को इस किसान मेले में स्टॉल प्रदर्शन, निरूपण एवं सहभागिता हेतु विश्वविद्यालय परिवार आप सभी को सादर आमन्त्रित करता है।

प्रदर्शकों के लिए उपलब्ध सुविधाएँ

- ✓ प्रत्येक प्रदर्शनी स्टॉल पर 2 मेजें, 2 कुर्सियाँ और आवश्यक बिजली की आपूर्ति उपलब्ध होगी।
- ✓ ऊपर वर्णित सुविधाओं एवं दरों में परिवर्तन, छूट एवं रियायत का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय मेला प्रशासन के पास सुरक्षित रहेगा।

स्टॉल

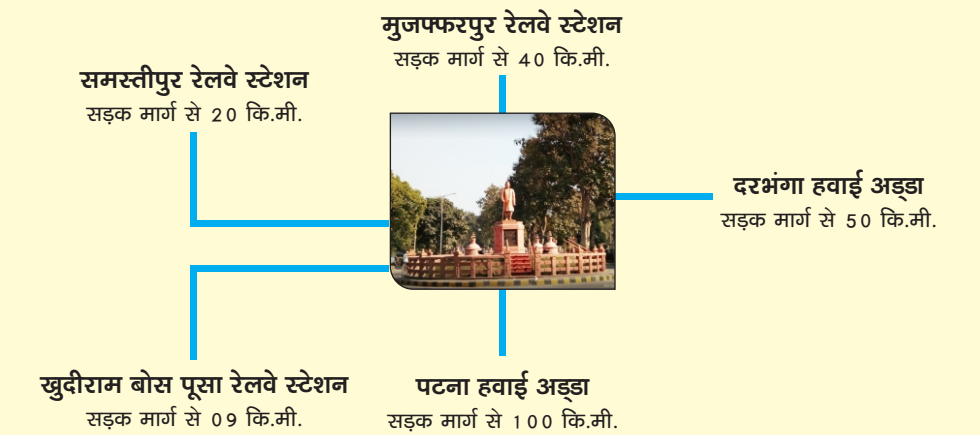
इस मेले में प्रदर्शनी हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निम्न प्रकार के स्टॉल उपलब्ध कराये जायेंगे:

- ✓ तीन तरफ से घिरे आच्छादित स्टॉल
- ✓ 4 मीटर X 4 मीटर (16 वर्गमीटर) दर रु. 8000.00 (आठ हजार रुपये) मात्र।

कार्यक्रम

- 12 मार्च, 2022 (शनिवार) पंजीकरण, उद्घाटन एवं प्रदर्शनी
- 13 मार्च, 2022 (रविवार) पंजीकरण, प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमिनार, प्रक्षेत्र-भ्रमण
- 14 मार्च, 2022 (सोमवार) पंजीकरण, प्रदर्शनी, गोष्ठी, मूल्यांकन, समापन समारोह

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा कैसे पहुँचें



सम्पर्क सूत्र

डॉ. एम. एस. कुण्डु

निदेशक प्रसार शिक्षा
टेलीफैक्स : 0627-240251
मो0-9474290668
ई-मेल : dee@rpcau.ac.in

डॉ. अनुपमा कुमारी

उप निदेशक प्रसार-II
सह आयोजन सचिव, क्षेत्रीय कृषि मेला-2022
मो0- 8434383989
ई-मेल : anupmakumari@rpcau.ac.in

डॉ. पुष्पा सिंह

उप निदेशक प्रसार-I
आयोजन सचिव, क्षेत्रीय कृषि मेला-2022
मो0- 9430560507
ई-मेल : pushpa@rpcau.ac.in

डॉ. आर. के. तिवारी

वरीय वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष (के.भी.के, बिरौली)
सह आयोजन सचिव, क्षेत्रीय कृषि मेला-2022
मो0- 6202863409, 7295046855
ई-मेल : ravindra@rpcau.ac.in

REGIONAL AGRICULTURE FAIR 2022

Entrepreneurship Development through Monetization of Agricultural Waste

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa

12 13 14
March, 2022



Organized by
Directorate of Extension Education
Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University
Pusa, Samastipur - 848125 (Bihar)

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa

Regional Agriculture Fair 12-14 March, 2022

The morning of 29th August 2021 was a Red letter day for Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa when Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi lauded the "Sukhet Model" developed and implemented by RPCAU while addressing the nation in "Mann Ki Baat" programme on All India Radio for its achievement in "Wealth from Waste". The system, called the Sukhet Model, is in operation in Madhubani district of Bihar. It is a self-sustaining model and has brought huge transformation in rural Bihar which has created several opportunities like generating rural employment, wealth creation, provided smokeless domestic cooking, and rural sanitation in Addition to that it is also producing green fertilizer. The University has successfully demonstrated to convert floral offering in to vermicompost at different temples, like Baba Baidyanath in Deoghar, Baba Garibnath in Muzaffarpur and Baba Someshwarnath in Areraj.

Swachh Bharat Abhiyan (SBA) started in the year 2014 created an opportunity to collect the waste materials to be used for productive purposes. Several organizations are working to use these huge waste for productive & economical proposes. The RPCAU, Pusa being an integral part of Indian Agriculture Research System realized the importance of management of waste generated during agricultural practices as well from the SBA programme. The university moved towards initiating research which focused on the management of these waste into useful products, with a target to create employment for rural youth. Today the University has well developed technologies on Agro- waste management like:

- ✓ Sukhet Model to convert village waste in to vermicompost production.
- ✓ Extraction of Banana Fibre from discarded pseudostem and it's use for making decorative products.
- ✓ Use of maize cobs for production of disposable plates.
- ✓ Utilization of arhar stalk for making of eco- friendly Cutlery Set, Tea Table, Calendar Stand etc.
- ✓ Use of litchi seed for production of Fish feed.
- ✓ Extraction of essential oil from crop residues of spices as fly repellent, etc

The KVKs of RPCAU are transferring these technologies to create job opportunities and livelihood security for rural youth as well as to develop Agro Entrepreneurship. This Regional Agriculture Fair will be showcasing these technologies for reorientation of agriculture from production to income generation with focus on shifting towards high value crops production, boosting agri-businesses and developing inclusive value chain. The University Research and Extension focuses on crop diversification as well as value added technologies for enterprise development in agriculture, aquaculture, agro-forestry for enhancing entrepreneurship development among rural youth. All farming output has inherent value and there is a need to end the perception of waste from farms, instead to view every unit of output as an opportunity to generate value.

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa is organizing a grand Regional Agriculture Fair-2022 from 12th to 14th March, 2022 on the theme, "Entrepreneurship Development through Monetization of Agricultural Waste" and we hope with full confidence that you will be participating in this Regional Agriculture Fair-2022 and getting benefitted. We invite you all once again to visit our Regional Agriculture Fair-2022 and give us an opportunity to serve you better.

Goals and objectives of the Mela

- To convert agricultural waste into products for Human, Animal & for Farm land.
- To create opportunities for decent livelihood in a relatively new area to increase fiscal activity.
- To bring agricultural waste into economic use leading to reduction of pressure on the environment
- To attract different stakeholders for creating business ventures
- To make vibrant villages for promoting plan economic and social development
- To promote allied agricultural activities like Beekeeping, Mushroom Production, Vermicomposting etc. for social transformation.

- To explore and nurture technical skills of the villagers so that there will be no dearth of man power with high degree of skill and artistic talent.
- To exhibit agricultural technologies and farm machineries for reduction of cultivation cost and management of natural resources.
- To explore new horizons through cooperation of agro-based micro, small & medium entrepreneurs (MSME) with government and non-government organisation.
- To make interaction & sharing knowledge between farmers & scientists on latest agricultural technologies through Seminar/Kisan Gosthi.
- To showcase mushroom production & preservation to small holders farmers for food & nutritional security.
- Water conservation techniques for more crop per drop and exhibition of water harvesting structure for ground water recharge.
- To exhibit of alternative sources of energy, solar trees, solar pumps & boat mounted solar irrigation system.

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa

Established in the birth place of Agriculture Research & Education and named after the first president of India late Dr. Rajendra Prasad, our University has contributed a lot to Agriculture Education, Research & Extension. The University is always ready to extend its full supports to the development of agriculture & allied sector targeting the development of farmers.

Invitation

Individuals & organizations related to Agriculture and allied vocations, farmers, institutions, government & non-government organization, producers & marketing federations are cordially invited to participate, attend and cooperate in exhibition of Regional Agriculture Fair-2022.

Facilities Available In The Stall For Exhibitors

1. There shall be 2 tables, 2 chairs with supply of electricity points in the stall.
2. The university has full right to change, make concession and relief of the rates quoted for stalls.

Programme

12 March, 2022 (Saturday) - Registration, Inauguration and Exhibition
13 March, 2022 (Sunday) - Registration, Exhibition, Gosthi, Seminar and Field visits
14 March, 2022 (Monday) - Registration, Exhibition, Gosthi, Evaluation and Valedictory programme

Stall

The following type of stall will be provided by university during mela:
Three side covered stall
4 Meter x 4 Meter = 16 sqm (Rate Rs. 8000.00)

CONTACT DETAILS

Dr. M. S. Kundu

Director Extension Education
Tele fax: 06274 - 240251
Mobile- 9474290668
Email-dee@rpcau.ac.in

Dr. Anupma Kumari

Deputy Director Extension- II
Co-Organizing Secretary
Regional Agriculture Fair-2022
Mobile- 8434383989
Email-anupmakumari@rpcau.ac.in

Dr. Pushpa Singh

Deputy Director Extension-I
Organizing Secretary
Regional Agriculture Fair-2022
Mobile- 9430560507
Email-pushpa@rpcau.ac.in

Dr. R. K. Tiwari

Senior Scientist & Head (K.V.K., Birauli)
Co-Organizing Secretary
Regional Agriculture Fair-2022
Mobile- 7295046855
Email-ravindra@rpcau.ac.in